पिरिकन पिक और पिरिकन मोर

पिरिकन पिक और पिरिकन मोर

पिरिकन पिक
और पिरिकन मोर

एक समय की बात है कहीं किसी
जगह दो मित्र रहते थे.
एक का नाम पिरिकन पिक था और दूसरे
का पिरिकन मोर.
एक दिन दोनों मित्र अखरोट के एक पेड़ से
अखरोट लाने गए.
पिरिकन मोर पेड़ के ऊपर चढ़ गया,
वह अखरोट तोड़ कर नीचे पिरिकन पिक
के पास फेंकने लगा.

पिरिकन पिक पेड़ के नीचे बैठ गया
और ज़मीन पर गिरते अखरोट
इकट्ठे करने लगा और एक छोटी
हथौड़ी से उनके छिलके तोड़ने लगा.

लेकिन जितने भी अखरोट पिरिकन पिक ने तोड़े, उन सब को वह खा गया. इसलिए जब पिरिकन मोर पेड़ से उतर कर नीचे आया तो उसके लिए एक भी अखरोट न बचा था.
“उनमें से आधे अखरोट मेरे थे,” उसने कहा. “इसलिए मैं एक लाठी ढूँढ कर लाऊँगा और तुम्हारी पिटाई करूँगा.” तो पिरिकन मोर एक लाठी ढूँढने चल पड़ा. शीघ्र ही एक पेड़ पर एक मज़बूत डाल उसे दिखाई दी, तो उसने पेड़ से कहा:
“मुझे चाहिए लाठी एक सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“अवश्य, निश्चय ही,” पेड़ ने कहा, “लेकिन डाल काटने के लिए तुम्हें पहले एक कुल्हाड़ी ढूँढनी पड़ेगी.”

तो पिरिकन मोर एक कुल्हाड़ी ढूँढने चल पड़ा.
शीघ्र ही उसे जंगल में, लकड़ी की कतरनों के पास,
एक कुल्हाड़ी मिली. उसने कुल्हाड़ी से कहा:

“मुझे चाहिए कुल्हाड़ी एक भारी-भरकम
जिससे काटूँगा डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“निस्संदेह,” कुल्हाड़ी ने कहा, “लेकिन क्या तुम्हें
दिखाई नहीं देता कि मैं कुंद हूँ? पहले मुझे तेज़
करने के लिए तुम धार तेज़ करने वाला पत्थर ढूँढ
कर लाओ.”

तो पिरिकन मोर धार तेज़ करने वाला पत्थर ढूँढने के लिए चल पड़ा. शीघ्र ही एक झील के पास पड़े पत्थरों में उसे एक धार तेज़ करने वाला पत्थर दिखाई दिया. उसने उससे कहा:

“मुझे चाहिए धार तेज़ करने वाला पत्थर एक
जिससे कुल्हाड़ी भारी-भरकम करूँगा मैं तेज़
जिससे काटूँगा मैं डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“तुम मेरा उपयोग कर सकते हो,” धार तेज़ करने वाले पत्थर ने कहा, “लेकिन मुझे गीला करने के लिए तुम्हें पहले थोड़ा पानी लाना होगा.”

तो पिरिकन मोर झील के नीले पानी के पास झुका
और उसने कहा:
“मुझे चाहिए पानी झील का अंजुली भर
जिससे गीला करूँगा मैं धार बनाने वाला पत्थर
जिससे कुल्हाड़ी भारी-भरकम करूँगा मैं तेज़
जिससे काटूँगा मैं डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“ठीक है,” झील ने कहा, “जितना पानी तुम्हें चाहिए
तुम ले लो लेकिन पहले तुम्हें बड़े सींगों वाला हिरण
ढूँढना होगा जो तैर कर पार कर जाए मुझे.”

तो पिरिकन मोर एक हिरण को ढूँढने चल पड़ा. शीघ्र ही उसे एक जंगल की घनी झाड़ियों में एक हिरण दिखाई दिया. उसने हिरण से कहा:

“मुझे चाहिए एक हिरण बड़े सींगों वाला
जिसे करना है तैर कर लहराती झील को पार
जिससे गीला करूँगा मैं धार बनाने वाला पत्थर
जिससे कुल्हाड़ी भारी-भरकम करूँगा मैं तेज़
जिससे काटूँगा मैं डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“मैं तैर कर झील नहीं पार करूँगा,” हिरण ने कहा, “अगर तुम मेरा पीछा करने के लिए तेज़ दौड़ने वाला शिकारी कुत्ता ढूँढ कर नहीं लाये.”

तो पिरिकन मोर शिकारी कुत्ता ढूँढने चल पड़ा.
शीघ्र ही कुत्ता-घर में उसे एक कुत्ता सोया हुआ दिखाई
दिया, उसकी एक आँख खुली थी और कान खड़े थे.
उसने कुत्ते से कहा:

“मुझे चाहिए तेज़ दौड़ने वाला शिकारी कुत्ता
जिसे पीछा करना है बड़े सींगों वाले हिरण का
जिसे करना है तैर कर लहराती झील को पार
जिससे गीला करूँगा मैं धार बनाने वाला पत्थर
जिससे कुल्हाड़ी भारी-भरकम करूँगा मैं तेज़
जिससे काटूँगा मैं डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“मैं प्रसन्नता से हिरण का पीछा करूँगा,” कुत्ते ने कहा,
“लेकिन पहले मेरे चारों पाँव पर नर्म, पीला मक्खन
तुम्हें मलना पड़ेगा.”

तो पिरिकन मोर मक्खन ढूँढने चल पड़ा.
शीघ्र ही उसे एक फार्म-हाउस के किचन की मेज़ पर
एक कटोरे में मक्खन दिखाई दिया. उसने मक्खन से
कहा:

“मुझे चाहिए थोड़ा मक्खन नर्म और स्वादिष्ट
मलने के लिए शिकारी कुत्ते के चारों पाँव पर
जिसे पीछा करना है बड़े सींगों वाले हिरण का
जिसे करना है तैर कर लहराती झील को पार
जिससे गीला करूँगा मैं धार बनाने वाला पत्थर
जिससे कुल्हाड़ी भारी-भरकम करूँगा मैं तेज़
जिससे काटूँगा मैं डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“तुम मुझे ले जा सकते हो,” मक्खन ने कहा,
“लेकिन पहले एक चूहा ढूँढ कर लाना
पड़ेगा, जिसके दाँतों से मुझे
तुम खुरचना.”

शीघ्र ही फार्म-हाउस के कोठार के फर्श पर रोटी के टुकड़े कुतरता एक चूहा उसे मिल गया. उसने चूहे से कहा:

“मुझे तेज़ दाँतों वाला चाहिए एक चूहा
खुरचने के लिए नर्म और स्वादिष्ट मक्खन
जिसे मलना है शिकारी कुत्ते के चारों पाँव पर
जिसे पीछा करना है बड़े सींगों वाले हिरण का
जिसे करना है तैर कर लहराती झील को पार
जिससे गीला करूँगा मैं धार बनाने वाला पत्थर
जिससे कुल्हाड़ी भारी-भरकम करूँगा मैं तेज़
जिससे काटूँगा मैं डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“मैं मक्खन को तभी खुरचूँगा,” चूहे ने कहा, “जब मेरा पीछा करने के लिए तुम मोटी, काली बिल्ली ढूँढ कर लाओगे.”

तो पिरिकन मोर एक बिल्ली को ढूँढने चल पड़ा. शीघ्र ही एक खलिहान की छत पर बैठी, रात की तरह काली, बिल्ली उसे दिखाई दी. उसने बिल्ली से कहा:

“मुझे चाहिए बिल्ली बिलकुल काली
जो पीछा करेगी तेज़ दाँतों वाले चूहे का
जिसे खुरचना है नर्म और स्वादिष्ट मक्खन
जिसे मलना है शिकारी कुत्ते के चारों पाँव पर
जिसे पीछा करना है बड़े सींगों वाले हिरण का
जिसे करना है तैर कर लहराती झील को पार
जिससे गीला करूँगा मैं धार बनाने वाला पत्थर
जिससे कुल्हाड़ी भारी-भरकम करूँगा मैं तेज़
जिससे काटूँगा मैं डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“चूहों का पीछा करने में मुझे बड़ा मज़ा आता है,” बिल्ली ने कहा, “लेकिन पहले कटोरी भर दूध लाओ क्योंकि मुझे बहुत लगी है भूख.”

तो पिरिकन मोर गाय को ढूँढने चल पड़ा. एक हरी-भरी घाटी में एक गाय घास चरती उसे दिखाई दी. उसने गाय से कहा:

“मुझे चाहिए दूध तुम्हारा मीठा-मीठा
जिसे पिलाना है बिल्ली बिलकुल काली को
जिसे पीछा करना है तेज़ दाँतों वाले चूहे का
जिसे खुरचना है नर्म और स्वादिष्ट मक्खन
जिसे मलना है शिकारी कुत्ते के चारों पाँव पर
जिसे पीछा करना है बड़े सींगों वाले हिरण का
जिसे करना है तैर कर लहराती झील को पार
जिससे गीला करूँगा मैं धार बनाने वाला पत्थर
जिससे कुल्हाड़ी भारी-भरकम करूँगा मैं तेज़
जिससे काटूँगा मैं डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“बहुत दूध है मेरे पास,” गाय ने कहा, “और जितना चाहो तुम ले सकते हो. लेकिन पहले मेरे लिए खलिहान से थोड़ा मक्का ले आओ.”

तो पिरिकन मोर मक्का ढूँढने चल पड़ा. शीघ्र ही उसे साईस मिला जो खलिहान के फर्श पर झाड़ू लगा कर भूसा साफ कर रहा था. उसने साईस से कहा:

“मुझे चाहिए थोड़ा मक्का गाय के लिए
जिससे लेना है मुझे दूध मलाईदार
जिसे पिलाना है बिल्ली बिलकुल काली को
जिसे पिलाना है बिल्ली बिलकुल काली को
जिसे पीछा करना है तेज़ दाँतों वाले चूहे का
जिसे खुरचना है नर्म और स्वादिष्ट मक्खन
जिसे मलना है शिकारी कुत्ते के चारों पाँव पर
जिसे पीछा करना है बड़े सींगों वाले हिरण का
जिसे करना है तैर कर लहराती झील को पार
जिससे गीला करूँगा मैं धार बनाने वाला पत्थर
जिससे कुल्हाड़ी भारी-भरकम करूँगा मैं तेज़
जिससे काटूँगा मैं डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“यहाँ बहुत सारा मक्का है,” साईस ने कहा, “लेकिन पहले नानबाई के पास जाकर मेरे लिए एक ताज़ी पाव-रोटी तुम्हें लानी पड़ेगी. “

तो पिरिकन मोर नानबाई के पास दौड़ा गया. नानबाई एक बड़े कटोरे में आटा तौल कर डाल रहा था. उसने नानबाई से कहा:

“मुझे चाहिए साईस के लिए पाव-रोटी एक
जिससे लेना है गाय के लिए मक्का
जिससे लेना है मुझे दूध मलाईदार
जिसे पिलाना है बिल्ली बिलकुल काली को
जिसे पिलाना है बिल्ली बिलकुल काली को
जिसे पीछा करना है तेज़ दाँतों वाले चूहे का
जिसे खुरचना है नर्म और स्वादिष्ट मक्खन
जिसे मलना है शिकारी कुत्ते के चारों पाँव पर
जिसे पीछा करना है बड़े सींगों वाले हिरण का
जिसे करना है तैर कर लहराती झील को पार
जिससे गीला करूँगा मैं धार बनाने वाला पत्थर
जिससे कुल्हाड़ी भारी-भरकम करूँगा मैं तेज़
जिससे काटूँगा मैं डाल पेड़ की सीधी और मज़बूत
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करने के लिए
जो खा गया अखरोट मेरे हिस्से के.”

“मेरे पास हर प्रकार की पाव-रोटी है,” नानबाई ले कहा, “लेकिन पहले मुझे पाव-रोटी के लिए आटा सानने के लिए पानी चाहिए.” उसने पिरिकन मोर को एक छलनी दी और कहा कि कुएं से इसमें पानी भर कर ले आओ.

तो पिरिकन मोर कुएं के पास गया और पानी में छलनी डुबोई. लेकिन जब उसने छलनी को बाहर निकाला तो सारा पानी जाली में से बह कर वापस कुएं में चला गया. उसने कई बार कोशिश की लेकिन हर बार पानी कुएं में वापस बह गया.

बेचारा पिरिकन मोर!

उसने छलनी ज़मीन पर फेंक दी और अपने चेहरे को अपने हाथों से ढक लिया. उसकी आँखों से झरझर आँसू बहने लगे.
तभी एक विशाल सीगल बहुत ऊपर आकाश में उड़ता हुआ वहाँ से गुज़रा.
“इस पर नर्म काली मिट्टी मल दो,” सीगल ने चिल्लाकर कहा, “नर्म काली मिट्टी इस पर मल दो.”

तो पिरिकन मोर ने नर्म काली मिट्टी ढूँढी और उसे गीला करके छलनी की जाली पर मल कर सारे सुराख बंद कर दिये. फिर उसने छलनी धूप में रख दी और जब गीली मिट्टी सूख कर सख्त हो गई उसने छाली को फिर से कुएं के पानी मैं डाल दिया. लेकिन काली मिट्टी पानी में घुल गई और सुराख खुल गए और जैसा पहले हुआ था सारा पानी फिर कुएं में बह गया.

उसने छलनी ज़मीन पर फेंक दी और अपने चेहरे को अपने हाथों से ढक लिया. उसकी आँखों से झरझर आँसू बहने लगे.

तभी एक काला कौवा आकाश में उड़ता हुआ ऊपर से गुज़रा. “भूरी मिट्टी इसकी जाली पर मल दो,” कौवे ने चिल्लाकर कहा, “भूरी मिट्टी मल दो.”

तो पिरिकन मोर ने थोड़ी सी चिपचिपी भूरी मिट्टी ढूँढी और उसे छलनी की जाली पर मल कर सारे सुराख बंद कर दिये और फिर उसने छलनी को सूखने के लिए धूप में रख दिया.

जब मिट्टी सूख कर सख्त हो गई तो उसने छलनी को दुबारा पानी में डुबोया. इस बार मिट्टी नहीं घुली. जब पिरिकन मोर ने छलनी को बहर निकाला तो एक बूँद पानी भी नीचे न गिरा.

बिना गिराये, वह ध्यान से पानी को नानबाई के पास ले आया. नानबाई ने उस पानी से पाव-रोटी बनाने के लिए आटा सान लिया. फिर उसने दो ताज़ी, गर्म पाव-रोटियाँ पिरिकन मोर को दे दीं.

तो पिरिकन मोर ने एक पाव-रोटी खा ली
लेकिन दूसरी साईस को दे दी.
जिसने उसे गाय के लिए थोड़ा सा मक्का दिया.
जिसने उसे सफेद, मलाईदार दूध दिया
जिसे उसने रात की तरह काली बिल्ली को दिया
जिसने तेज़ दाँतों वाले चूहे का पीछा किया
जिसने अपने दाँतों से नर्म, स्वादिष्ट मक्खन खुरचा
जिसे उसने तेज़ दौड़ने वाले कुत्ते के पाँव पर मल दिया
जिसने बड़े सींगों वाले हिरण का पीछा किया
जिसने तैर कर लहराती झील को पार किया
जिसने धार बनाने वाले पत्थर को गीला कर दिया
जिसने कुल्हाड़ी की धार को तेज़ कर दिया
जिसने पेड़ की सीधी और मज़बूत डाल को काट दिया
और लाठी ले कर पिरिकन मोर चल दिया-अब वह
अभागे पिरिकन पिक की पिटाई करेगा.

लेकिन जब वह अखरोट के पेड़ के पास
पहुँचा तो वहाँ कोई नहीं था.
वहाँ तो कोई भी नहीं था.
उसने इधर देखा, उसने उधर देखा और वहाँ पेड़ के नीचे अखरोटों का एक छोटा सा ढेर उसे दिखाई दिया, उन्हें तोड़ कर उनके छिलके अलग किये हुए थे. उसने एक अखरोट उठाया और उसे अपने मुँह में डाला.
“म्म्म्म्म.” उसने दूसरा उठाया. “स्वादिष्ट!” उसने अपनी लाठी झाड़ियों में फेंक दी और घास पर बैठ गया और.....

समाप्त